नेपाल में युवाओं के समर्थन से आरएसपी (RSP) की जीत, एक नए राजनीतिक युग का संकेत

UPSC प्रासंगिकता - प्रारम्भिक परीक्षा: राजव्यवस्था और शासन, अंतर्राष्ट्रीय संबंध और समसामयिक घटनाएँ

मुख्य परीक्षा- GS पेपर II: भारत और पड़ोसी देशों के संबंध, GS पेपर IV: पारदर्शिता और भ्रष्टाचार विरोधी राजनीति

चर्चा में क्यों है?

- 5 मार्च, 2026 को नेपाल में हुए आम चुनाव ने चौंकाने वाला परिणाम दिया है। इस चुनाव ने नेपाल की दशकों पुरानी राजनीतिक व्यवस्था को ध्वस्त कर दिया है।
- पहली बार, किसी एक पार्टी (RSP) को पूर्ण बहुमत मिला है, जो 2015 के संविधान के बाद से नेपाल की राजनीति में दुर्लभ रहा है।
- पारंपरिक दलों (नेपाली कांग्रेस और CPN-UML) के दिग्गजों की युवा चेहरों के हाथों हार ने यह सिद्ध कर दिया है, कि नेपाली मतदाता, विशेषकर युवा, अब पुरानी स्थिति से थक चुके हैं और उन्हें व्यवस्थागत बदलाव चाहिए था।

पृष्ठभूमि:

नेपाल में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (RSP) की ऐतिहासिक जीत और युवाओं का व्यापक समर्थन पारंपरिक राजनीति को चुनौती देते हुए एक नए युग का सूत्रपात कर रहा है। इस चुनाव की पृष्ठभूमि सितंबर 2025 में हुए **'जेन-ज़ी आंदोलन'** में निहित है।

1. **असंतोष का कारण:** नेपाली सरकार ने देश के युवाओं में गहरी हताशा पैदा कर दी थी। जिस वजह से अंततः उन्हे सड़कों पर उतर कर सरकार का विरोध करना पड़ा। नेपाल में 'जेन-ज़ी आंदोलन' के मुख्य कारण निम्नलिखित हैं:
    a. **भ्रष्टाचार व वंशवाद:** पारंपरिक दलों द्वारा सत्ता का निजी उपभोग, भाई-भतीजावाद और व्याप्त भ्रष्टाचार के प्रति युवाओं का गहरा आक्रोश।
    b. **आर्थिक संकट:** बदहाल अर्थव्यवस्था, बेरोजगारी और व्यापक पलायन ने युवाओं को व्यवस्था के खिलाफ खड़ा कर दिया।
    c. **अस्थिर शासन:** बार-बार बदलती गठबंधन सरकारों और सत्ता संघर्ष के कारण प्रशासनिक पंगुता।
    d. **सेवा वितरण में विफलता:** स्वास्थ्य, शिक्षा और कचरा प्रबंधन जैसी मूलभूत जन-सुविधाओं का अभाव।
    e. **डिजिटल सशक्तिकरण:** सोशल मीडिया के माध्यम से संगठित होना और वैश्विक शासन मॉडलों के प्रति बढ़ती जागरूकता।
    f. **संवैधानिक निराशा:** 2015 के संविधान से जुड़ी उम्मीदों का टूटना और न्यायपालिका में राजनीतिक हस्तक्षेप।
2. **अंतरिम सरकार का गठन:** व्यापक जन-आंदोलन के दबाव में सरकार गिरने के बाद, नेपाल की जनता ने पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की के नेतृत्व में एक अंतरिम सरकार का गठन किया था। उसी के बाद से उनका प्राथमिक उद्देश्य नेपाल में निष्पक्ष आम चुनाव सुनिश्चित कराना था।

3. **संस्थानों का पुनर्गठन:** सुश्री सुशीला कार्की द्वारा राष्ट्रपति को संसद भंग करने की सिफारिश और चुनाव कराने का निर्णय, नेपाल के लोकतांत्रिक मूल्यों की बहाली के लिए एक महत्त्वपूर्ण कदम था।

चुनाव के परिणाम और भविष्य:

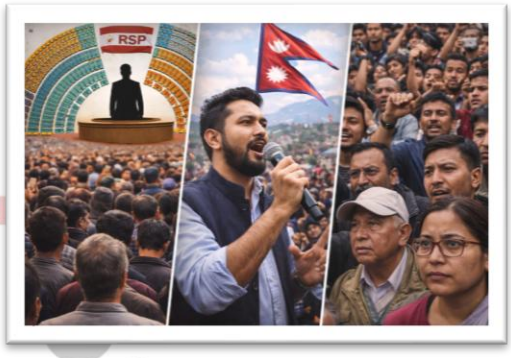

1. **स्पष्ट जनादेश:** 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा के लिए 165 सदस्य फर्स्ट पास्ट द पोस्ट प्रणाली से और 110 सदस्य प्रोपोर्शनल रिप्रेज़ेंटेशन प्रणाली से चुने जाते हैं, जिसमें मतदाता पार्टियों को चुनते हैं। वहीं नेपाल की संसद में सरकार बनाने के लिए किसी पार्टी को 138 सीटों की आवश्यकता होती है, और यह स्पष्ट है कि आरएसपी (RSP) बिना किसी गठबंधन सहयोगी के आसानी से नई सरकार बनाएगी।
2. **नेतृत्व में बदलाव:** बालेन्द्र शाह जैसे युवा और स्वतंत्र पृष्ठभूमि वाले नेताओं का प्रधानमंत्री पद के लिए आगे आना, नेपाल की राजनीति को 'वंशवादी और उम्रदराज' नेतृत्व से 'तकनीकी और प्रदर्शन-आधारित' नेतृत्व की ओर ले जा रहा है।
3. **भविष्य की चुनौतियां:** RSP के लिए बड़ी चुनौती नेपाल की जनता की उम्मीदों पर खरा उतरना है। यदि वे सुशासन और भ्रष्टाचार-मुक्ति के वादों को पूरा करने में विफल रहते हैं, तो यह जनादेश जल्द ही जनता के भारी आक्रोश में भी बदल सकता है।

बालेंद्र शाह का व्यक्तित्व: आरएसपी ने बालेंद्र शाह को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया है। एक पूर्व रैपर जिन्होंने 2022 में स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में **काठमांडू के मेयर** बनकर राजनीतिक प्रतिष्ठान को चौंका दिया था। वस्तुतः संरचनात्मक इंजीनियर के रूप में प्रशिक्षित बलेन्द्र शाह ने सबसे पहले नेपाल के हिप-हॉप जगत में अपना नाम बनाया। उनके रैप गीत जैसे तेज़, निर्भीक और अक्सर आक्रोश से भरे; भ्रष्टाचार, राजनीतिक उदासीनता और शहरी जीवन की रोज़मर्रा की निराशाओं पर प्रहार करते थे। उनके गीत, जैसे "बलिदान", राजनीति में आने से बहुत पहले युवा नेपाली समाज में व्यापक रूप से प्रसारित हुए और निराश पीढ़ी के लिए असहमति की एक अप्रत्याशित आवाज़ बन गए हैं।

भारत-नेपाल संबंधों पर प्रभाव:

भारत ने सुश्री कार्की को सफलतापूर्वक चुनाव सम्पन्न कराने के लिए बधाई दी है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि "एक घनिष्ठ मित्र एवं पड़ोसी के रूप में भारत, नेपाल के लोगों के साथ मिलकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता पर अडिग है ।" प्रधानमंत्री मोदी ने नेपाल की नई सरकार को "साझा शांति, प्रगति और समृद्धि की नई ऊँचाइयों तक पहुँचने" की शुभकामनाएँ दी हैं।

नेपाल का यह चुनाव भारत के लिए एक नई शुरुआत के रूप मे भी देखा जा रहा है :

1. **स्थिरता बनाम अनिश्चितता:** एक पूर्ण बहुमत वाली स्थिर सरकार भारत के साथ दीर्घकालिक समझौतों और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को गति देने में सहायक होगी।
2. **कूटनीतिक दृष्टिकोण:** भारत के लिए अब 'शांत कूटनीति' (Quiet Diplomacy) अपनाना जरूरी है। साथ ही विकास-आधारित साझेदारी (ऊर्जा, कनेक्टिविटी, शिक्षा) को राजनीतिक हस्तक्षेप से ऊपर रखना होगा।

3. **विश्वास का निर्माण:** भारत को पुरानी पीढ़ी के नेताओं के साथ अपने संपर्कों के बजाय , नई उभरती नेतृत्व पंक्ति के साथ विश्वास का सेतु बनाना होगा। जो भारत-नेपाल के संबंधों को सकारात्मक रूप से आगे बढ़ाने मे सहायता करेगा।

नेपाल और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रभाव:

1. **लोकतांत्रिक मजबूती:** नेपाल का यह चुनाव एक युवा लोकतंत्र की परिपक्वता को दर्शाता है कि कैसे हिसा के बजाय मतदान के माध्यम से सत्ता का हस्तांतरण किया जा सकता है। इससे दुनिया में लोकतान्त्रिक मूल्यों मे वृद्धि होगी।
2. **भू-राजनीति:** हिमालयी क्षेत्र में आरएसपी का उदय क्षेत्रीय भू-राजनीति को भी प्रभावित करेगा। अब अंतरराष्ट्रीय समुदाय, विशेषकर चीन और भारत, नेपाल की 'परफॉर्मिंग' और 'राष्ट्रवादी' नीति को बेहद करीब से देखने का प्रयास करेंगे।
3. **क्षेत्रीय प्रेरणा:** नेपाल का 'युवा-नेतृत्व मॉडल' उन अन्य विकासशील देशों के लिए एक केस स्टडी बन सकता है , जहाँ पारंपरिक राजनीतिक दल अपनी प्रासंगिकता खो चुके हैं।

निष्कर्ष:

नेपाल में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (RSP) की जीत केवल एक चुनावी परिणाम नहीं है, बल्कि व्यापक सामाजिक-राजनीतिक परिवर्तन का प्रतिबिब है। यह चुनाव परिणाम स्पष्ट करता है कि नेपाली मतदाता अब भ्रष्टाचार, राजनीतिक अस्थिरता और वंशवादी राजनीति की बजाय 'सुशासन और कार्य-आधारित' राजनीति को प्राथमिकता दे रहे हैं। जो एक परिपक्व लोकतांत्रिक बदलाव है।

वहीं बालेन्द्र शाह जैसे युवा चेहरों का सत्ता के शीर्ष पर आना एक नई उम्मीद तो है, लेकिन यह एक बड़ी जिम्मेदारी भी है। आरएसपी के लिए सबसे बड़ी चुनौती अपने **'बाचा पत्र' (घोषणापत्र)** में किए गए भ्रष्टाचार-विरोधी और आर्थिक विकास के वादों को धरातल पर उतारना है।

अंततः, आरएसपी की सफलता की दीर्घकालिक स्थिरता इस बात पर निर्भर करेगी कि वे नेपाल के जटिल भू-राजनीतिक वातावरण (भारत और चीन के बीच संतुलन) और घरेलू आर्थिक चुनौतियों को कैसे प्रबंधित करते हैं। यह नया युग नेपाल के लिए एक नई शुरुआत है, लेकिन इसे बनाए रखने के लिए निरंतर जवाबदेही और पारदर्शी शासन अनिवार्य है।

यूपीएससी प्रारम्भिक परीक्षा अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न 1: नेपाल के संविधान के अंतर्गत 'प्रतिनिधि सभा' के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. प्रतिनिधि सभा के कुल सदस्यों में से 60% सदस्य 'फर्स्ट पास्ट द पोस्ट' (FPTP) प्रणाली द्वारा निर्वाचित होते हैं।
2. शेष 40% सदस्य 'प्रोपोर्शनल रिप्रेजेंटेशन' (PR) प्रणाली द्वारा निर्वाचित होते हैं।

उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(A) केवल 1

(B) केवल 2

(C) 1 और 2 दोनों

(D) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (C)

प्रश्न 2: हाल के नेपाल चुनावों में चर्चा में रही 'बाचा पत्र' (Bacha Patra) की मुख्य विशेषता क्या थी?

(a) यह सुशीला कार्की के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार का एक प्रशासनिक रोडमैप था।
(b) यह आरएसपी द्वारा प्रस्तावित एक भ्रष्टाचार-मुक्त शासन और प्रशासनिक सुधारों का घोषणापत्र था।
(c) यह नेपाल के 2015 के संविधान में संशोधनों हेतु एक विधायी प्रस्ताव था।
(d) यह काठमांडू के मेयर द्वारा प्रस्तावित एक नवीन कचरा प्रबंधन और शहरी नियोजन नीति थी।

उत्तर: (B)

यूपीएससी मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न: "नेपाल में पारंपरिक राजनीतिक दलों के प्रति बढ़ता मोहभंग और युवा नेतृत्व का उदय, दक्षिण एशियाई लोकतंत्र की एक नई दिशा का संकेत है।" आरएसपी की चुनावी जीत के संदर्भ में इस कथन का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए। साथ ही, भारत-नेपाल द्विपक्षीय संबंधों के भविष्य पर इसके संभावित प्रभावों पर चर्चा कीजिए। (शब्द सीमा: 250)

IAS-PCS Institute
Result Mitra
रिजल्ट का साथी
@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806